नव भारत जागृति केन्द्र

NBJK

Since 1971

NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

Putting the Last First

सूचना पत्र

NEWS LETTER

अप्रैल - जून 2016 www.nbjk.org April - June 2016

मिशन 2020 : लखपति किसान–स्मार्ट गाँव

झारखण्ड के दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल में खूंटी जिला अंतर्गत छह प्रखंडों में से एक मुरहू है. मुरहू में मुंडा जनजाति के लोग बहुसंख्यक हैं और उनकी आजीविका के मुख्य साधनों में कृषि, लघु वनोपज, पशुपालन आदि शामिल हैं. इस प्रखण्ड के अध्ययन और जनजातीय परिवारों की बसाहट के आधार पर 16 पंचायतों में से 7 का चयन *मिशन 2020 : लखपति किसान-स्मार्ट गाँव* कार्यक्रम के पहले चरण (2015-20) हेतु किया गया है. न. भा. जा. केन्द्र द्वारा क्रियान्वित यह विशेष कार्यक्रम 45 गांवों के 76 टोलों तक अपनी पहुँच रखता है. आदिवासी किसानों के बीच भोजन-आजीविका की सुरक्षा और उनकी वार्षिक आय में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से प्रारम्भ इस कार्यक्रम के संचालन में सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुंबई और सिनी (कलेक्टिव्स फॉर इंटीग्रेटेड लाइवलीहुड इनिशिएटिव्स) का पूर्ण सहयोग मिला है. वर्ष 2020 तक 2,500 परिवारों के जीवन में ज्यादा अवसर सुनिश्चित करते हुए उनकी औसत वार्षिक आय को 30,000 रू. से बढ़ा कर 1 लाख 20 हजार रू. तक पहुँचाने का इसका लक्ष्य है. यह कार्यक्रम स्थायी और स्वप्रबंधित संस्थानों जैसे महिला स्वमदद समूहों और उनके फेडरेशन को धुरी मानकर चलता है, जिनके जरिए परिवारों को आसान ऋण सुविधा, सिंचाई संरचना और कृषक समूहों हेतु कृषि/वनोपज/पशुपालन आधारित आजीविका समर्थन उपलब्ध कराया जाता है. न. भा. जा. केन्द्र एक मॉनिटरिंग इकाई की तरह कार्य करता है और इस कार्यक्रम अंतर्गत 174 स्वमदद समूहों को प्रोत्साहित किया गया है, जो आजीविका सम्बन्धी गतिविधियों के आधार हैं. कम लागत की सिंचाई संरचना निर्माण इसकी एक प्राथमिकता है और माडा, मनरेगा, भूमि संरक्षण विभाग आदि की सरकारी योजनाओं की मदद से अबतक 1,350 परिवारों हेतु सिंचाई सुविधा मुहैय्या करवाने में सफलता मिली है. कृषि आधारित आजीविका प्रोत्साहन के सिलसिले में आदिवासी किसानों द्वारा खरीफ, रबी और गरमा फसलों के रूप में टमाटर, बंदगोभी, तरबूज जैसी नगदी खेती से उन्हें काफी फायदा हुआ है. वर्ष 2015-16 में 1585 किसान परिवारों द्वारा कुल 1755.2 टन टमाटर, बंदगोभी और तरबूज का उत्पादन हुआ, बाजार की पिकअप वैनों ने गांवों के 692 चक्कर लगाकर इस पैदावार की ढुलाई किया, जहाँ कृषक समूहों ने 269 एकड़ जमीन पर कठिन परिश्रम करके अपनी औसत वार्षिक आय 60,000 - 80,000 रू. तक लाने में सफलता पायी है. वन आधारित आजीविका पहल के रूप में लाह की खेती एक महत्वपूर्ण गतिविधि है, जिससे 1450 परिवारों का जुड़ाव है और अनेक गांवों को इस कार्य हेतु विशेष रूप से तैयार किया गया है. विगत दो वर्षों में चार चक्रों के दौरान लाह उत्पादक परिवारों ने प्रति वर्ष 40,000 रू. तक का लाभ उठाया है. इस जनजातीय क्षेत्र में सूकर पालन एक अहम आर्थिक उपक्रम है, जिसे मिशन 2020 के तहत प्रोत्साहन मिला है. गांवों में 440 सूकर पालकों का संगठन है और उनके समूह बनाए गए हैं. ये समूह वैज्ञानिक तरीके से सूकर पालते हैं और उनकी देख-रेख के लिए जरूरी पशु चिकित्सा सुविधा आसानी से उपलब्ध है. सूकर पालन से जुड़े परिवारों में सिर्फ इस वजह से प्रति परिवार औसतन 30,000 रू. की वार्षिक आय का इजाफा हुआ है. *मिशन 2020 : लखपति किसान-स्मार्ट गाँव* कार्यक्रम को समुदाय के बीच लाने में परम्परागत ग्राम सभाध्ग्रामीण बैठक, स्वमदद समूहों की बैठक और माइक्रो प्लानिंग अभ्यास की भूमिका उपयोगी रही है. अंतर-ग्रामीण/बाह्य परिभ्रमण, परियोजना की बुनियादी बातों पर चर्चा, अनुमानित आय पर नजर, सूचना/शिक्षा/संवाद सामग्रियों का उपयोग, प्रक्रियागत जानकारी, लागत खर्च, बाजार/सम्बन्धित चैनलों और सम्बन्धित कार्य योजना पर लगातार काम करने से मुरहू के आदिवासी किसानों को इस मिशन से जुड़ने में सहूलियत हुई है और वो आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हैं. ये भूमिपुत्र सिलसिलेवार तरीके से मेहनत करते हैं और इनकी आमदनी बढ़ी है. इस कार्यक्रम की वजह से डोलो हस्सा-कुमारी दीदी (ग्राम-जानुमपिरी), मुकुट तिरु-जिनित मिन्ज (ग्राम-पांडू) जैसे अनेक किसान दम्पति उभर कर सामने आए हैं, जिन्होंने 50-70 डिसमिल भूमि पर टमाटर, मटर, कद्दू, तरबूज, कुसुमी लाह आदि की खेती करके एक वर्ष में 60 हजार से 1 लाख रू. तक का मुनाफा कमाया है.

Mission 2020: Lakhpati Kisan-Smart Village

Murhu is one of the six blocks that falls under Khunti district in Chotanagpur Plateau of Jharkhand. Munda is a predominant tribe residing in the region. Their major livelihood is agriculture, along with non timber forest produce and livestock rearing. Based on study of the block and concentration of tribal families, 7 out of 16 Gram Panchayats are selected for an intervention called *Mission 2020: Lakhpati Kisan-Smart Village* in the first phase (2015-2020). This covers 76 hamlets of 45 villages. Our support agency Collectives for Integrated Livelihood Initiatives (CInI), an Initiative anchored by Sir Ratan Tata Trust, Mumbai, plays vital role of nodal agency for promoting and strengthening the mission to raise annual income of tribal farmers as well as addressing issues of their food and livelihood security. For next five years period, the program will strive to achieve the goal to pull out 2,500 households from poverty with increased life choices and to raise their average income up to Rs. 1,20,000 (Rs. 90,000 additional income) from existing baseline of Rs. 30,000. The program works over the themes of Nurturing sustainable/self managed institution like women SHGs and their federation to leveraging credit support for families, low cost water structures for more HHs, farm/forest based livelihood with grower clusters and livestock rearing. NBJK acts like a monitoring unit and 174 SHGs promoted under the program are nucleus within livelihood activities. Making low cost water structures is a priority and that ensured 1350 HHs with irrigation facility with support of government programs also like MADA, MNREGA, and Dept. of Soil Conservation etc. Farm based livelihood was promoted and tribal farmers get profit by growing cash crops like Tomato, Cabbage, Watermelon during Kharif, Rabi and Summer seasons. During 2015-16, total 1585 HHs have produced 1755.2 tons of tomato, cabbage and watermelon, picked up 692 times by marketers in villages where cluster of growers have worked hard upon 269 acres land for such endeavor that ensured them for enhanced average annual income of Rs. 60,000-80,000 easily. Lac production is the activity promoted under forest based livelihood initiative that involved 1450 HHs and created brood farm village for availability of brood locally. This is an intensive hand holding support for 4 continuous cycles within two years and fetched Rs. 40,000 as an average annual income for them. Piggery is another income generating activity related to livestock rearing in this tribal area. 440 HHs have formed clusters, follow better practices and avail vet service at door step. This added around Rs. 30,000 to annual income of each family.

Traditional Gram Sabha/Village Meeting, SHG meeting and Micro-planning exercise have introduced the program within community. Inter village & external exposure, sharing of project principles, visualization of income, use of IEC material, understanding of Package of Practices, sharing of input cost & available market/marketing channels and action plan accordingly have engaged people together to be self sustained farmers. They labor hard methodically and earn for self-reliance. There are farmer couples like Dolo Hassa-Kumari Didi (vill-Janumpiri), Mukut Tiru-Jinit Minj (vill-Pandu) those cultivated tomato, garden pea, bottle gourd, watermelon, Kusumi Lac upon 50-70 decimal land and raised their income as Rs. 60,000-1 Lakh within a year.

डायबिटिक रेटिनोपैथी निदान हेतु सराहना

13 अप्रैल, डेनमार्क : वर्ल्ड डायबिटीज फाउंडेशन, डेनमार्क ने झारखण्ड में डायबिटिक रेटिनोपैथी (मधुमेह जनित दृष्टिहीनता) की रोकथाम सम्बन्धी प्रयासों हेतु न. भा. जा. केन्द्र की सराहना किया है. श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न.भा.जा.के.) को प्रेषित अपने पत्र में डब्लू. डी. एफ. के प्रबन्ध निदेशक श्री एंडर्स देजगार्ड ने डायबिटिक रेटिनोपैथी की रोकथाम और इलाज हेतु जुलाई'13 से मार्च'16 तक क्रियान्वित संयुक्त परियोजना की सफल समाप्ति पर संतोष जाहिर किया. विदित हो कि डायबिटीज के मरीजों में आम तौर पर होने वाली दृष्टिहीनता (डायबिटिक रेटिनोपैथी) से वो क्रमशः अपनी आँखों की रोशनी खो बैठते हैं. श्री देजगार्ड ने इस साझेदारी को प्रभावी और निर्विघ्न बताते हुए आशा प्रकट किया है कि डब्लू. डी. एफ. की सहायता से प्रारम्भ यह पहल स्थायी होगी और इसके द्वारा डायबिटिक रेटिनोपैथी के शिकार आम लोगों को सम्बन्धित जांच और इलाज की सुविधा आसानी से मिल सकेगी. उक्त परियोजना अंतर्गत न. भा. जा. केन्द्र संचालित लोकनायक जय प्रकाश आँख अस्पताल (बहेरा, चौपारण) को डब्लू. डी. एफ. के सौजन्य से चिकित्सा उपकरण, प्रशिक्षण और अन्य सहायता मिली है ताकि जनसाधारण में डायबिटिक रेटिनोपैथी के प्रति जागरूकता फैले और इस अस्पताल में उनका इलाज सही तरीके से हो सके. मो. असीम अली (सहायक प्रबन्धक, लो. ना. जय. आँख अस्पताल) ने कहा कि इस दौरान 202 विद्यालयों में सम्बन्धित क्विज प्रतियोगिता, 264 गांवों में डायबिटीज जांच शिविर, 15 हजार डायबिटीक रोगियों की पहचान, डायबिटिक रेटिनोपैथी के 1129 मरीजों की जांच, 250 मरीजों का सफल इलाज और परियोजना अवधि में लगभग 2 लाख लोगों तक पहुँच के साथ हम डब्लू. डी. एफ., डेनमार्क के बहुत आभारी हैं, जिसने हमें काम करने का मौका दिया.

Appreciation for Preventing Diabetic Retinopathy

13 April, Denmark : World Diabetes Foundation, Denmark has expressed its deepest appreciation and admiration for the work by NBJK to prevent blindness due to diabetes in Jharkhand. In his letter to Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK), Mr. Anders Dejgaard (Managing Director, WDF) has conveyed satisfaction over completion of the joint project from July 2013 to March 2016 focused upon prevention and treatment of Diabetic Retinopathy, a particular blindness caused by diabetes that makes people sightless slowly. Mr. Dejgaard has called the partnership as efficient, smooth and was hopeful for sustainability of the WDF funded initiative for common people's access to quality diagnosis and treatment of Diabetic Retinopathy. NBJK run Loknayak Jai Prakash Eye Hospital (Bahera, Chouparan) has been provided modern equipments, training and other supports from WDF during the period to initiate mass awareness against Diabetic Retinopathy as well as proper treatment facility at the hospital. Md. Aseem Ali (Asst. Manager, LNJPEH) has informed about diabetes check up camps at 264 villages, related quiz events at 202 schools, 15000 identified diabetic people, 1129 patients of diabetic retinopathy and successful treatment for 250 among them as the outcome of WDF supported project that has touched around 2 lacs people over the issue. We feel grateful for such people centric approach and crucial support from World Diabetes Foundation, he added.

माताओं–बच्चों में कुपोषण रोकथाम पर प्रशिक्षण

1-2 अप्रैल, चुरचू : हजारीबाग जिला के चुरचू प्रखण्ड में प्लान इंडिया के सहयोग से संचालित बाल केन्द्रित समुदाय विकास कार्यक्रम अंतर्गत आंगो, ओरिया, जमडीहा, खुरनडीह, सरिया, लोधे आदि 10 गांवों की आंगनबाड़ी सेविका, सहिया और माता समिति की सदस्याओं हेतु जच्चा-बच्चा कुपोषण रोकथाम पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया. बतौर संसाधन व्यक्ति डा. चैतन्य (चिकित्सा पदाधिकारी, चुरचू) ने उन्हें गर्भावस्था, प्रारंभिक मातृत्व और बाल्यावस्था के दौरान होने वाले कुपोषण व रोकथाम पर उपयोगी जानकारी दिया. इन्होंने गर्भवती-धात्री माताओं और बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बतायी क्योंकि कुपोषण से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावित होती है और वो बीमार पड़ते हैं. 2 अप्रैल को समस्त प्रतिभागियों ने जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल स्थित कुपोषण उपचार केन्द्र का भ्रमण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया. श्रीमती इन्दु देवी (ए. एन. एम.) ने उन्हें इस केन्द्र की कार्यप्रणाली और सेवाओं की जानकारी दिया, जो कुपोषित-कमजोर माताओं-बच्चों को प्रदान की जाती है. प्रशिक्षुओं ने अस्पताल के बच्चा वार्ड में जाकर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं को देखा. डा. चैतन्य के मार्गदर्शन में इन्हें कुपोषण की समस्या और उसके समाधान हेतु उपलब्ध व्यवस्था की काफी जानकारी मिली. प्रशिक्षण को सफल बनाने में श्रीमती उषा रानी (बा. वि. परि. पदा.), सुश्री अल्पना तिर्की (पर्यवेक्षिका), श्री रंजन कुमार (कार्यक्रम प्रबंधक), श्री अरविन्द कुमार (कार्यक्रम संयोजक), श्री विजय कुमार एवं सुश्री एल्विना हांसदा (कार्यकर्तागण) आदि का योगदान रहा.

To Prevent Malnutrition among Mothers & Children

1-2 April, Churchu : Aanganwadi Sevikas, Sahiyas and Members of Mata Samiti from 10 villages like Aango, Oriya, Jamdiha, Khurandih, Sariya, Lodhe of Churchu block (Hazaribag) have participated in a training upon malnutrition among mothers and children under Child Centered Community Development program with support of Plan India. Dr. Chaitanya (Medical Officer, Churchu block) was the resource person who introduced about symptoms of malnutrition during pregnancy, early motherhood/childhood and discussed about preventive measures. He suggested for taking care of pregnant/ lactating mothers and children as malnutrition affects body immune system critically to make them sick. On 2nd April, all trainees have visited Malnutrition Treatment Center at Sadar Hospital, Hazaribag to see the arrangement there. Mrs. Indu Devi (ANM) has briefed them about work mode and facilities available at the center to support undernourished mothers & children. Also the trainees have observed Child Ward of the hospital where children get medical treatment. The exposure under guidance of a doctor resource person has enhanced their knowledge and acquaintance with the system to address problem caused by malnutrition. Mrs. Usha Rani (CDPO), Ms. Alpna Tirky(Supervisor), Mr. Ranjan Kumar (Program Manager), Mr. Arvind Kumar (Coordinator), Mr. Vijay Kumar and Ms. Alwina Hansda (Field Supervisors) have contributed to the training.

सु.प्र. भाई विद्यालय के बच्चों का बेहतर परीक्षाफल

28 मई, चौपारण : न. भा. जा. केन्द्र प्रबन्धित सुरेखा प्रकाशभाई पब्लिक स्कूल के बच्चों ने सीबीएसइ द्वारा आयोजित 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में उम्दा प्रदर्शन किया है. इस परीक्षा में 75 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें 9 ने 10 सीजीपीए हासिल किया और 2 दर्जन से अधिक बच्चों ने 9 सीजीपीए प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया है. कुमार गौरव, सौम्या कुमारी, अमरजीत कौशिक, सिद्धान्त भारद्वाज, कुणाल कुमार, निक्की कुमारी, संदीप कुमार, विशाल कुमार और स्वर्णज्योति कुमारी उन विशेष छात्रों-छात्राओं में शामिल हैं, जिन्हें 10 सीजीपीए प्राप्त हुआ और इनके साथ नीतू कुमारी (9.8), सुमन्त कुमार व आदर्श विश्वकर्मा (9.6), प्रिंसी सोनी (9.4), मनीष कु. मिश्र व अलीशा कुमारी (9.2), रौनक (9) तथा अन्य हैं, जिनकी वजह से विद्यालय परिवार गौरवान्वित हुआ है. श्री सतीश गिरिजा (मन्त्री, एनबीजेके) ने कठिन परिश्रम के बाद आए इस अवसर पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और विद्यालय प्रबन्धन को बधाई दिया है. विदित हो कि 12 वीं कक्षा की बोर्ड (सीबीएसइ) परीक्षा में पहले बैच के विद्यार्थियों द्वारा 80% रिजल्ट और स्कूल के टॉप 10 सूची में 8 लड़कियों की जगह से भी विद्यालय परिवार में प्रसन्नता है.

Good Result for SPPS Children

28 May, Chouparan : NBJK managed Surekha Prakash Bhai Public School students have performed well in CBSE board examination for 10th class. There were 75 students appeared for the examination and 9 out of them have scored 10 CGPA while more than two dozen could achieve 9 CGPA. Kumar Gaurav, Saumya Kumari, Amarjeet Kaushik, Siddhant Bhardwaj, Kunal Kumar, Nikky Kumari, Sandip Kumar, Vishal kumar and Swarnjyoti Kumari are the elites who have made their school proud with such excellent result with successors like Neetu Kumari (9.8), Sumant Kumar & Adarsh Vishwakarma (9.6), Princy Sony (9.4), Manish Kr. Mishra & Alisha Kumari (9.2) and Raunak (9) with others with shining outcome.

Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has congratulated pass out students, their parents and school management for this delightful moment after hard work. Recently first batch for 12th class board examination (CBSE) too has shown 80% result by students and 8 girls have secured their place under top 10 in the school list.

झारखण्ड में शराबबन्दी पर महिला सम्मेलन

31 मार्च, हजारीबाग : न. भा. जा. केन्द्र और नेटवर्क संस्थाओं द्वारा स्वमदद समूह सदस्याओं, पंचायती राज प्रतिनिधियों और अन्य महिलाओं के सहयोग से शराब विरोधी सम्मेलन का आयोजन किया गया. स्थानीय स्टेशन क्लब में हुए इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती सरोजिनी देवी (प्रमुख, सदर प्रखण्ड), श्रीमती अनुश्री देवी (प्रमुख, चुरचू प्रखण्ड), श्रीमती अग्नेसिया एस. पूर्ति (सदस्या, जिला परिषद), श्रीमती शर्मीली एक्का (प्रभारी, महिला थाना) और सुश्री वीणा सेठी (अधिवक्ता) ने किया. श्री सतीश गिरिजा (मंत्री, न. भा. जा. केन्द्र) ने सबों का स्वागत करते हुए शराब को अनेक बुराइयों का मूल कारण माना. इन्होंने प्रारम्भ में विदेशी शराब पर रोक लगाने के बाद देशी घरेलू शराब को चरणबद्ध तरीके से प्रतिबंधित करने में पंचायती राज में निर्वाचित 50% से अधिक महिला प्रतिनिधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला. सरोजिनी देवी ने शराब को महिला विरोधी मानते हुए झारखण्ड में इसके उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध की मांग किया. अनुश्री देवी ने इसे लोगों के जीवन पर एक काला साया बताया जबकि अग्नेसिया पूर्ति ने एक सफल शराब विरोधी मुहिम के लिए चेतना जागरण, शिक्षा और आजीविका सम्बन्धी मुद्दों पर ध्यान आकृष्ट किया. सिंघानी पंचायत की मुखिया रेणु देवी ने शराब पर रोक को उचित मानते हुए पुरुषों से सहयोग की अपील किया और जीवलाल महतो (पूर्व प्रमुख, सदर प्रखण्ड) ने आशंका जाहिर किया कि शराबियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर ऐसे अभियान में सामाजिक सहयोग की कमी होगी. महिला थानाध्यक्षा शर्मीली एक्का ने महिलाओं के खिलाफ अपराध में शराब को मुख्य कारण माना. इस शराब विरोधी महिला सम्मेलन को संबोधित करने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री महेन्द्र राम (मुखिया, सिलवार पंचायत), श्रीमती यशोदा देवी (पूर्व मुखिया, करबैकला पंचायत), श्री फिल्मन बाखला (लोक प्रेरणा केन्द्र), श्री अवधेश पांडेय (छोटानागपुर विकास उत्प्रेरणा केन्द्र), डा. विश्वनाथ आजाद (शार्क) आदि शामिल थे. सम्मेलन में लगभग 200 महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही.

Women Convention against Liquor in Jharkhand

31 March, Hazaribag : NBJK and network VOs have called a convention of SHG members, PRI representatives and others to oppose liquor collectively. The program was inaugurated by Mrs. Sarojini Devi (Pramukh, Sadar block), Mrs. Anushree Devi (Pramukh, Churchu block), Mrs. Agnesia S. Purty (Member, District Council), Mrs. Sharmili Ekka (In-charge, Women Police Station, Hazaribag) and Ms. Veena Sethi (Advocate). Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) has welcomed all and charged liquor as the root cause to a lot of problem. He suggested for prohibiting foreign liquor initially and phase wise ban on country/homemade liquor with help of women elected for more than 50% seats of PRIs. Mrs. Sarojini Devi has called liquor as anti-women and demanded for a strict ban over its production and sell in the state. Mrs. Anushree Devi has blamed it for destroying people's life while Mrs. Agnesia S. Purty has raised the issues of awareness, education and livelihood for a successful campaign against liquor. Mrs. Renu Devi (Mukhiya, Singhani panchayat) has supported the ban and appealed male members in families for cooperation. Mr. Jeevlal Mahto (ex-Pramukh, Sadar block) was concerned about diminishing social support for such battle due to growing number of drinkers. Mrs. Sharmili Ekka has accused liquor for most of the crimes against women. Many people like Mr. Mahendra Ram (Mukhiya, Silwar panchayat), Mrs. Yashoda Devi (ex-Mukhiya, Karbaikala panchayat), Mr. Filman Bakhla (Lok Prerna Kendra), Mr. Awdhesh Pandey (Chhotanagpur Vikas Utprerna Kendra) and Dr. Vishwanath Azad (SHARK) have expressed their views against liquor. Around 200 women have participated in the convention.

विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य शिविर

24 मई, अमृतनगर : रिनपास, कांके के सहयोग से एनबीजेके द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य शिविर में हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, गया, लखीसराय आदि जिलों से आए लगभग 850 मानसिक रोगियों का इलाज किया गया. इनमें बाइपोलर, पारानोइया, दुश्चिंता, मिरगी, अनिद्रा, विखंडित व्यक्तित्व, सिजोफ्रेनिया, अवसाद समेत अनेक मानसिक बीमारियों से ग्रसित लोगों की चिकित्सा हुई. शिविर में इलाज और दवा की सुविधा उपलब्ध थी. एनबीजेके-रिनपास के सौजन्य से प्रति माह लगने वाले इस शिविर में अपना नियमित इलाज कराने वाले ग्राम चुरचू (नगवां पंचायत, सदर प्रखंड) के गुनेश्वर राणा की मानसिक स्थिति इलाज के पहले अच्छी नहीं थी. इनकी पत्नी आशा देवी ने बताया कि अनावश्यक भय, संदेह, अनिद्रा और दुश्चिंता जैसे लक्षणों से पीड़ित गुनेश्वर एक प्रतिभावान छात्र हुआ करते थे, लेकिन इस मानसिक बीमारी का पता लगने और इलाज करवाने में बहुत समय लग गया. इन्होंने कहा कि रिनपास के इलाज से मेरे पति में काफी सुधार हुआ और अभी ये गांव के ही एक विद्यालय में अध्यापन कार्य करते हैं. विदित हो कि 24 मई को विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस भी था. सिजोफ्रेनिया एक कठिन मानसिक रोग है, जिसके शिकार लोगों में बमुश्किल 20 से 30 प्रतिशत ही सामान्य जीवन जी पाते हैं. इस अवसर पर एनबीजेके मन्त्री सतीश गिरिजा ने मानसिक बीमारियों के प्रति भय, उपेक्षा और उपहास की सामान्य धारणा में बदलाव को जरूरी मानते हुए कहा कि शारीरिक रोगों की तरह इनके विषय में भी लोगों को सही जानकारी मिलनी चाहिए. इन्होंने हरेक जिला अस्पताल में मानसिक रोग चिकित्सा सुविधा और दवा उपलब्धता को अनिवार्य करने का सुझाव दिया.

Mental Health Camp on World Schizophrenia Day

24 May, Hazaribag: A Mental Health Camp was organized at NBJK Coordination Office premises with support of RINPAS (Ranchi Institute of Neuro-Psychiatry & Allied Sciences), Kanke, Ranchi. RINPAS has sent the team of doctors and support staffs for this outreach camp like every month which is crucial for around a thousand people suffering from different psychotic and neurotic disorders e.g. bipolar, paranoia, insomnia, amnesia, stress, depression, anxiety, epilepsy, schizophrenia, substance abuse etc. A crowd of carers and patients from not only Hazaribag but other neighboring districts namely Koderma, Chatra, Giridih, Bokaro, Dhanbad or even from border districts of Bihar use to come here for treatment. Mr. Guneshwar Rana (village-Churchu, panchayat-Nagwan, block-Hazaribag Sadar) confirms about his successful treatment at the camp as he was a victim of personality disorder but proper medication and his caring wife Mrs. Asha Devi have supported him to defy such deep-rooted crisis. Now he teaches Maths in a school at his own village. Its worth mentioning that May 24th is World Schizophrenia Day which reminds us of all the pains suffered and emotional turmoil being felt by such patients or their carers because of this complicated disease with the fact that only 20 to 30 percent of all schizophrenia patients are able to lead somewhat normal life. NBJK has appealed for public awareness and treatment facility for mental diseases at district hospitals on the day.

एल.बी.एच.सी. में विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून, बोधगया : एस.के.बी. (दि निदरलैंड्स) की सहायता से न. भा. जा. केन्द्र द्वारा संचालित अनाथालय लॉर्ड बुद्धा होम फॉर चिल्ड्रेन (सिलौंजा, बोधगया) में पूरे उत्साह के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. इस अवसर पर बच्चों ने प्ले कार्ड्स के साथ प्रभातफेरी निकाला, इस विशेष दिवस के समर्थन में नारे लगाए, चित्र बनाया और भाषण भी दिया. पर्यावरण दिवस पर उनका उत्साह बढ़ाने के लिए स्थानीय विधायक कुमार सर्वजीत और श्रीमती ज्योति मांझी (पूर्व विधायक, बाराचट्टी) भी मौजूद थे. 11 जून को लॉर्ड बुद्धा होम की ओर से बोधगया के नजदीकी गांव बकरौर में दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ था, जिसमें डा. अभिषेक मृणाल और डा. प्रवीण कुमार ने दांतों की समस्या से पीड़ित 31 रोगियों का इलाज किया. इन मरीजों को 100 रू. तक की दवा निःशुल्क उपलब्ध करायी गयी. अनाथालय के सहायक प्रबन्धक श्री त्रिपुरारि सिंह ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य मुंह-दांत रोगों के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के साथ निकटतम उपलब्ध चिकित्सा सुविधा की जानकारी और अंततः रोगियों का इलाज करना था. प्रारम्भ में सिर्फ एल.बी.एच.सी. बच्चों के लिए उपलब्ध इस दन्त चिकित्सा सुविधा को अब सार्वजनिक कर दिया गया है और अनाथालय परिसर में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार (10-12 बजे दिन) को यह सुविधा सबों के लिए है, जिन्हें 100 रू. तक की दवा भी मुफ्त मिलेगी.

World Environment Day at LBHC

5 June, Bodhgaya : Lord Buddha Home for Children, the orphanage founded by SKB, the Netherlands and run by NBJK has observed World Environment Day with full enthusiasm. The children have joined to morning round with play cards, slogans in support of the day and participated in public speaking as well as drawing making around the issue for greater concern. The event was encouraged with presence of Mr. Kumar Sarvjeet (MLA) and Mrs. Jyoti Manjhi (Ex-MLA). On 11 June, LBHC has organized a dental health camp at Bakraur, a nearby village under Bodhgaya block (Dist-Gaya). Dr. Abhishek Mrinal and Dr. Praveen Kumar (both dentists) have treated 31 people suffering from dental problem. Also the patients have been provided medicines free of cost up to worth Rs. 100 for each. The camp aims for awareness towards dental diseases, handling facility at nearest point and finally to ensure proper treatment for such patients, Mr. Tripurari Prasad Singh (Assistant Manager, LBHC) has informed. Initially started for LBHC children, now dentistry is available for all at the premises on Tuesday & Saturday (10 am-12 noon) with medicines worth Rs. 100 free of cost.

दिव्यांगजन संगठनों का प्रशिक्षण

13-14 जून, हजारीबाग : ए.वी.आइ.- बी.एल.एफ. (यू.के.) की सहायता से झारखण्ड और बिहार के 5 जिलों में संचालित दिव्यांग अधिकारिता कार्यक्रम अंतर्गत दिव्यांगजन संगठनों के पदाधिकारीगण और स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया. इसमें हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह जिलों के दिव्यांगजन संगठनों से 36 पदाधिकारी और स्वयंसेवक शामिल हुए. 24-25 जून को आयोजित प्रशिक्षण में गया, नवादा जिलों के 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया. इन्हें संगठन स्थापना -संचालन सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयीं. श्री शंकर राणा (संसाधन व्यक्ति) उन्हें एक सशक्त दिव्यांगजन संगठन बनाने के क्रम में आने वाले सामाजिक-कानूनी पहलुओं से अवगत कराया. इस प्रशिक्षणशाला में न.भा.जा. केन्द्र के अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश भी कुछ देर के लिए शामिल हुए थे और प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए इन्होंने कहा कि किसी संगठन का निर्माण बहुत कठिन नहीं है लेकिन उसे सही तरीके से चलाने और उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संसाधनों को जुटाने में कठिनाई होती है. श्री गिरिजा ने फण्ड रेजिंग के विषय में जानकारी जुटाने की सलाह दिया. दिव्यांग अधिकारिता में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु दिव्यांगजन संगठनों-स्वमदद समूहों के 100 चुने हुए स्वयंसेवकों को उनके अधिकारों और सरकारी सुविधा प्राप्ति पर प्रशिक्षित किया गया. इसी क्रम में 15-16 जून को गया, नवादा और 29-30 जून को हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह जिलों के स्वयंसेवकों को दिव्यांग चिकित्सा सहायता, शिक्षा, आवागमन, आजीविका और पुनर्वास सम्बन्धी 20 सरकारी योजनाओं से अवगत कराया गया.

Training for DPO Leaders and Volunteers

13-14 June, Hazaribag : Training started for office bearers of DPOs (Disable People's Organizations) facilitated under Disability Rights program in Jharkhand & Bihar with support of AVI & BLF, UK. First two days were allocated for 36 participants belong to DPOs from Hazaribag, Koderma, Giridih districts (Jharkhand) and on 24-25 June, 24 office bearers of DPOs from Gaya, Nawada districts turned up for the training. All those were provided important inputs over establishing any such organization. Mr. Shankar Rana (resource person) has shared step wise effort to make a sustainable DPO. Also Mr. Girija Satish (President, NBJK) has attended the training and addressed the participants. He said that making organization is not so tough but to run it, to generate resource for a purpose is not an easy task. He suggested to get knowledge of the process for fund raising. As an initiative to strengthening community's stake on Disability Rights, 100 selected village volunteers from DSHGs/DPOs have been called for training about their rights & entitlements. They have been provided information about 20 government schemes related to medical support, education, mobility, livelihood and rehabilitation for PwDs. This commenced with trainees from Gaya and Nawada on 15-16 June and concluded on 29-30 June with volunteers from Hazaribag, Koderma and Giridih districts.

पानी आया गाँव में

केस स्टडी
CASE STUDY

As Tajna Water Comes Down

खूंटी जिला मुख्यालय से लगभग 18 कि.मी. दक्षिण-पूरब की ओर बारी गाँव स्थित है। इसे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि उलीहातू गाँव के पड़ोस में होने का सौभाग्य भी प्राप्त है। इस जनजातीय गाँव का कुल रकबा 210 हेक्टेयर है, बारी गाँव के अधिकांश निवासी छोटे किसान हैं। खेती मुख्यतः वर्षा आधारित है और तजना नदी नजदीक से गुजरती है। यहाँ की मुख्य फसल धान और दलहन है। हाल ही में ग्रामीणों ने टमाटर, तरबूज आदि नगदी फसलों का उत्पादन शुरू किया है और श्रीविधि से धान की खेती कर रहे हैं। इस क्षेत्र में सिनी-न.भा.ज. केन्द्र द्वारा संचालित *"मिशन 2020 : लखपति किसान-स्मार्ट गाँव"* कार्यक्रम अन्तर्गत बारी गाँव के लोगों को तजना नदी के पानी का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने 160 मि.मी. पीवीसी पाइप के मार्फत सुडुकी पहाड़ी के ऊपर से इस पानी को गाँव तक लाने में सफलता पायी है। यह दूरी लगभग 1.5 कि.मी. है और चट्टानों पर ढलान की सहायता से गुरूत्वाकर्षण शक्ति द्वारा तजना नदी का पानी गाँव में आता है। इससे साल भर 200 हेक्टेयर जमीन की सिंचाई संभव है। इस पहल हेतु न.भा.जा. केन्द्र को टाइम्स नेटवर्क द्वारा 10वाँ वाटर डाइजेस्ट वाटर अवार्ड मिला है और ग्रामीण जल संसाधन पुनरूत्थान हेतु सर्वोत्तम गैर सरकारी संस्थान घोषित किया गया है।

Bari village is about 18 km south east from Khunti town and near to celebrated village Ulihatu, the birth place Bhagwan Birsa Munda. The total area of this village is 210 hec. and most of the people are small farmers here. The land pattern is generally rain fed and it is surrounded by Tajna River. The main crop of the village is Paddy and Black Gram. Recently villagers entered into the cash crop farming such as tomato, water melon etc. and paddy stabilization through defined method also been initiated. Under the joint program of CInI and NBJK, the people of Bari village have been facilitated to get water through 160 mm PVC pipes across Sudki hillocks from Tajna River. This covers a distance of 1.5 km by cutting rocks and downwards slopes with outlets at various points. Now farmers can irrigate 200 acres round the year, get 24 hours water supply, started growing on fallow land and use the water for domestic use also. The experiment has bagged 10th Water Digest Water Award to NBJK and declared it as Best NGO for Revival of Rural Water Resources by Times Network.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : विनय भट्ट
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम : अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित
दूरभाष : 06546 - 263332, +91 9835751159
ई-मेल : nbjkco@gmail.com; vinaynbjk@gmail.com

To,

केवल निजी वितरण हेतु

2193/16 • www.kailashpaper.org • 92631 80313 / 14 / 15